SHRI S. JAIPAL REDDY: Sir, through you, I would like to explain to Shobhanaji that this entire scheme of small shops was envisaged by the Supreme Court. As of now, the scheme is not applicable to category 'A' and 'B' colonies. However, we are finalising the Master Plan of Delhi, 2021 very shortly. The MPD 2021 is presently under consideration of the DDA. As and when it is taken up at our level, we will certainly keep the suggestion in view.

MR. CHAIRMAN: Next question —325.

दुर्घटनाओं में राष्ट्रीय राजमार्ग पर मरने वाले पशु

*325. **सुश्री अनुसुइया उइके:** क्या पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या नागपुर-सिवनी-जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पेंच नेशनल पार्क से गुजरने वाले वाहनों से होने वाली दुर्घटनाओं से जानवरों की मौतें होती हैं;

(ख) यदि हां, तो गत पांच वर्षों में ऐसी दुर्घटनाओं से कितने जानवरों की मौतें हुई हैं;

(ग) दुर्घटनाओं से होने वाली जानवरों की मौतों को रोकने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं; और

(घ) क्या इस मार्ग को परिवर्तित करने की योजना विचाराधीन है और यदि हां, तो यह मार्ग परिवर्तन किस स्थान से किया जा रहा है तथा उसकी स्थिति क्या है?

पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री (श्री टी॰ आर॰ बालू): (क) से (घ) एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है।

विवरण

(क) जी हां।

(ख) गत पांच वर्षों के दौरान दक्षिण सेवनी वन प्रभाग में पेंच टाइगर रिजर्व के राष्ट्रीय राजमार्ग-7 खंड पर 43 वन्य जीवों के मारे जाने की सूचना है।

(ग) निम्नलिखित सुरक्षा उपायों की योजना है:—

i. जानवरों के सुरक्षित रूप से राजमार्ग पार करने के लिए पेंच टाइगर रिजर्व के 625.0 से 635.0 कि॰मी॰ तक के 10 कि॰मी॰ के खंड में लगभग 600 मीटर के अंतराल पर 20 मीटर x 4 मीटर (ऊचाई) आकार के 20 भूमिगत मार्गों का प्रस्ताव किया गया है।

ii. सुरक्षा बाड़ (गाइड फेंसिंग)।

(घ) जी नहीं।

Animals dying on a NH in accidents

†*325. MISS ANUSUIYA UIKEY: Will the Minister of SHIPPING, ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS be pleased to state:

(a) whether animals die due to accidents with vehicles passing through Pench National Park on National Highway touching Nagpur, Sivni and Jabalpur;

(b) if so, the number of animals that died in such accidents during the last five years;

(c) the efforts being made to prevent occurrence of such deaths of animals due to accidents; and

(d) whether the proposal of diverting this route is under consideration; if so; the place of such diversion and the status thereof?

THE MINISTER OF SHIPPING, ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS (SHRI T.R. BAALU): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Yes, Sir.

(b) 43 wild life animals are reported to have died on NH-7 portion of Pench Tiger Reserve in South Seoni forest Division during the last five years.

†Original notice of the question was received in Hindi.

(c) The following safety measures are planned:

(i) For safe crossing of highway by animals, 20 underpasses having size 20 m x 4 m (height) at an interval of about 600 m in the 10 km stretch from km. 625.0 to 635.0 Km. of Pench Tiger Reserve have been proposed.

(ii) Guide fencing.

(d) No, Sir.

सुश्री अनुसुइया उइके: माननीय सभापति महोदय, माननीय मंत्री जी ने मेरे प्रश्न का जो जवाब दिया है, नागपुर-सिवनी-जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर 43 वन्य जीवों के मारे जाने को उन्होंने स्वीकार किया है। महोदय, मुझे बहुत आश्चर्य के साथ कहना पड़ रहा है कि 43 ही नहीं, रोजाना वहां वाहनों के द्वारा काफी संख्या में वन्य जीवों की मृत्यु होती है.और अभी तक सरकार के द्वारा वहां किसी तरह का कोई प्रस्ताव या कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहती हूं कि ऐसे कौन-कौन से वन्य जीव हैं, जो राष्ट्रीय राजमार्ग पर मारे गए हैं? साथ ही जो जानवर वहां पर घायल होते हैं, क्या उनके लिए कोई उपाय किए जा रहे हैं, माननीय मंत्री जी यह बताने का कष्ट करें?

SHRI T.R. BAALU: Sir, the vehicular traffic in 1950 was three lakhs; whereas, as on 2004, it had increased to the level of 726.93 lakhs. So, the vehicular population has increased multifold. It has definitely increased to 242 times. The passenger traffic and the freight traffic have also increased three times and five times respectively. The Nagpur-Sivni-Jabalpur stretch, at National Highway 7, is surrounded by the Pench National Park. As far as the number of animals killed is concerned, in 2002-06 thirty-four spotted deers, six black bucks, two cinkaras, one barking bear, have been killed. So, altogether, 43 animals have been killed. We are very much conscious of the problem. Moreover, I was holding the portfolio of the Ministry of Environment. I know how to deal with this and what sorts of arrangements we have to make, as per the guidelines prescribed by the National Wildlife Board, headed by the hon. Prime Minister. As far as the Pench National Park is concerned, we have provided twenty under-passes at about 600 m. intervals, sizing 20x4 mt. The entire Park has been protected by walls. The total expenditure, for this purpose alone, amounts to Rs. 30 crores. We have not diverted any alignment. We have taken proper steps to see to it that wildlife animals are protected. We are taking care in some

other States also to see to it that animals are protected. Enough arrangements have been made so far.

सुश्री अनुसुइया उइके: माननीय सभापति महोदय, माननीय मंत्री जी ने जानकारी दी है कि "जानवरों के सुरक्षित रूप से राजमार्ग पार करने के लिए पेंच टाइगर रिज़र्व के 625.0 से 635.0 कि॰मी॰ तक के 10 कि॰मी॰ के खंड में लगभग 600 मीटर के अंतराल पर ..." इस तरह का हमारे पास प्रस्ताव किया गया। मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहती हूं कि यह प्रस्ताव कब से है? यह कार्य कब प्रारंभ किया जाएगा और कब तक पूर्ण कर लिया जाएगा?

SHRI T.R. BAALU: Sir, it is an on-going project. Definitely, we will complete it wihin one-and-a-half years.

श्री अमर सिंह: सभापति जी, मैं आपके माध्यम से मंत्री से जानना चाहूंगा कि उन्होंने कहा है कि मात्र 43 जानवर मारे गए हैं, लेकिन नेशनल हाई वे प्राधिकरण ने मैसूर-कालीकट राष्ट्रीय राजमार्ग 212 पर रम्बल स्ट्रिप्स लगाने का काम शुरू किया था। इससे बहुत तेज गति से चलने वाले वाहनों पर रोक लगाई जा सकती थी ताकि दुर्घटनाएं न हों। राष्ट्रीय राजमार्गों पर, खास तौर पर जी॰टी॰ रोड पर ट्रकों की दुर्घटनाएं हर रोज रात के समय होती हैं। इससे बहुत लोगों की जान जाती है। 43 जानवर मर गए, परन्तु आदमी न मरे, क्या आप इसकी व्यवस्था रम्बल स्ट्रिप्स लगाकर करेंगे? राष्ट्रीय राजमार्ग 212 पर यह कार्य समयानुसार शुरू हुआ था, इसकी क्या प्रगति है? यह कार्य होगा भी या नहीं होगा अथवा सिर्फ कागजों पर रहेगा?

SHRI T.R. BAALU: Sir, this question pertains to animals. ...(*Interruptions*)...

SHRI AMAR SINGH: No; no, animals cannot be saved. ...(*Interruptions*)... Hon. Minister, what about National Highway No. 212? ...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: Please sit down. ...(*Interruptions*)... Shri Vijay Darda. बैठिए, बैठिए ...(व्यवधान)...

श्री विजय जे. दर्डा: सभापति जी, धन्यवाद ...(व्यवधान)...

SHRI AMAR SINGH: Are you going to put rumble strips or not? There was a plan for putting rumble strips.

श्री सभापति: वह आ गया है....(व्यवधान)...वह प्लान आ गया है....(व्यवधान)...

SHRI AMAR SINGH: Is it being completed or have you left it? Forget about humans; don't save them, but save animals. Now, it is pertaining to

animals. ....*(Interruptions)*... You are not bothered about humans; you are only bothered about animals.

श्री सभापति: ठीक है, ठीक है....(व्यवधान)...श्री विजय दर्डा।

श्री विजय जे. दर्डा: सभापति जी, माननीय मंत्री महोदय ने अपने वक्तव्य में नागपुर-सिवनी-जबलपुर मार्ग पर गाइड फेंसिंग की बात की है। मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि यह फेंसिंग कितने किलोमीटर तक पूरी हो चुकी है तथा पुरे मार्ग पर गाइड फेंसिंग कब तक पूरी हो जाएगी? इसके अलावा क्या आपको इस बात की जानकारी है कि इस मार्ग पर अनवरत् रूप से आने वाले जानवर जंगली हैं या पड़ोस के गांव से आते हैं? ऐसा होने से इस मार्ग पर पड़ने वाले जो पड़ोसी गांव हैं, क्या उनके लिए भी सरकार बाड़ लगाने का काम शीघ्रतापूर्वक करेगी?

श्री अमर सिंह: सभापति जी, मैं आपके माध्यम से रम्बल स्ट्रिप्स का जवाब चाहता हूं, वे लगाएंगे या नहीं? ....(व्यवधान)...

श्री सभापति: जवाब देने दीजिए....(व्यवधान)...उनको जवाब देने दीजिए।

SHRI T.R. BAALU: Actually, as regards the Pench National Park, we have already taken up this project. Walls are being constructed. We are constructing massive walls so that animals cannot jump over them and stray animals cannot enter the Park. All these things are being done. This is an on-going project.

WELCOME TO PARLIAMENTARY DELEGATION FROM ARMENIA

MR. CHAIRMAN: Hon, Members, I have an announcement to make. We have with us, seated in the Special Box, Members of a Parliamentary delegation from Armenia, currently on a visit to our country under the distinguished leadership of His Excellency, Mr. Tigran Torosyan, President of the National Assembly of Armenia.

On behalf of the Members of the House and on my own behalf, I take pleasure in extending a hearty welcome to the Leader and other Members of the delegation and wish our distinguished guests an enjoyable and fruitful stay in our country.

We hope that during their stay here, they would be able to see and learn more about our Parliamentary system, our country and our people,

and that their visit to this country will further strengthen the friendly bonds that exist between India and Armenia. Through them, we convey our greetings and best wishes to the Parliament and the friendly people of Armenia.

MR. CHAIRMAN: Next question.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS—*Contd.*

बिहार में राष्ट्रीय राजमार्ग

*326. **श्री शत्रुघ्न सिन्हा:** क्या पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बिहार राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई कितनी है;

(ख) इनमें से कितनी लंबाई में स्वर्णिम चतुर्भुज एवं ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर परियोजना के तहत राजमार्ग को चार लेन का बनाने का कार्य चल रहा है;

(ग) राष्ट्रीय राजमार्गों की शेष लंबाई की स्थिति क्या है;

(घ) क्या राज्य सरकार ने इन राजमार्गों की स्थिति में सुधार के लिए केंद्र से सहायता की मांग की है; और

(ङ) यदि हां, तो केंद्रीय सरकार इस मामले में क्या कार्रवाई कर रही है?

पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री (श्री टी. आर. बालू): (क) से (ङ) एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है।

विवरण

(क) बिहार में राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई 3642 कि०मी० है।

(ख) बिहार में राष्ट्रीय राजमार्ग-2 की 206 कि०मी० लंबाई (वाराणसी में शून्य के साथ 44 से 250 कि०मी०) स्वर्णिम चतुर्भुज के भाग के तौर पर चार लेन के विभाजित कैरिजवे के रूप में विकसित की जा रही है। बिहार में राष्ट्रीय राजमार्ग-28 की 160 कि०मी० (361 से 520 कि०मी०),